# Result Mitra Daily Magazine

## नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना

### चर्चा में क्यों?

- वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 के दौरान अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा है।

### ख़बर के मुख्य बिन्दु

- वित्त वर्ष 2023-24 में नीदरलैंड में जिन प्रमुख वस्तुओं के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई, उनमें पेट्रोलियम उत्पाद (14.29 बिलियन डॉलर), विद्युत सामान, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं।
- नीदरलैंड के साथ भारत का व्यापार अधिशेष वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 17.4 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2022-23 में 13 बिलियन डॉलर था।
- नीदरलैंड ने ब्रिटेन, हांगकांग, बांग्लादेश और जर्मनी जैसे प्रमुख गंतव्यों पर बढ़त प्राप्त की है।
- गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का निर्यात नीदरलैंड में लगभग 3.5% बढ़कर 22.36 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि 2022-23 में यह 21.61 बिलियन डॉलर था।
- 2021-22 और 2020-21 में, यूरोपीय देश को निर्यात क्रमशः 12.55 बिलियन डॉलर और 6.5 बिलियन डॉलर रहा।
- यद्यपि वर्ष 2000-01 से निर्यात में लगातार अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जब भारत का नीदरलैंड को निर्यात 880 मिलियन डॉलर था।
- इसके अलावा, 2021-22 में नीदरलैंड भारतीय निर्यात के लिए पांचवां सबसे बड़ा गंतव्य था, जबकि 2020-21 में यह नौवां सबसे बड़ा था।
- व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, नीदरलैंड कुशल बंदरगाहों और सड़क, रेलवे और जलमार्ग के माध्यम से यूरोपीय संघ के साथ संपर्क के साथ यूरोप के लिए एक केंद्र के रूप में उभरा है।

Result Mitra

- ज्ञातव्य है कि निर्यात में वृद्धि का रुझान भविष्य में भी जारी रहेगा।

## नीदरलैंड से संबंधित मुख्य तथ्य

- सीमाएँ: पूर्व में जर्मनी, दक्षिण में बेल्जियम और उत्तर-पश्चिम में उत्तरी सागर।
- राजधानी: एम्स्टर्डम (आधिकारिक), द हेग (राजनीतिक केंद्र)।
- सरकार का प्रकार: संसदीय प्रणाली के साथ संवैधानिक राजतंत्र।
- प्रमुख नदियाँ: राइन, मीयूज और शेल्ड्ट।

## भारत-नीदरलैंड व्यापारिक संबंध

- भारत और नीदरलैंड ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- तब से, दोनों देशों ने मजबूत राजनीतिक, आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध विकसित किए हैं।
- दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 27.58 बिलियन डॉलर से थोड़ा कम होकर 2023-24 में 27.34 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।
- भारत से नीदरलैंड को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में पेट्रोलियम उत्पाद, दूरसंचार उपकरण, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम के उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लोहा और इस्पात आदि शामिल हैं।
- जर्मनी, स्विटजरलैंड, यूके और बेल्जियम के बाद नीदरलैंड यूरोप में भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

Result M

- इसके अलावा, नीदरलैंड भारत में एक निवेशक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,
- पिछले वित्तीय वर्ष में देश को नीदरलैंड से लगभग 5 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ, जबकि 2022-23 में यह 2.6 बिलियन डॉलर था। भारत में 200 से अधिक डच कंपनियों के संचालन के साथ, जिनमें फिलिप्स, अक्ज़ो नोबेल, डीएसएम, केएलएम और राबोबैंक जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होते जा रहे हैं।
- इसी प्रकार, नीदरलैंड में 200 से अधिक भारतीय कंपनियां स्थापित हैं, जिनमें टीसीएस, एचसीएल, विप्रो, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा के साथ-साथ सन फार्मास्यूटिकल्स और टाटा स्टील जैसी प्रमुख आईटी कंपनियां शामिल हैं।
- साथ ही डच इंडो वाटर अलायंस लीडरशिप इनिशिएटिव (DIWALI) मंच के माध्यम से भारत और नीदरलैंड के बीच जल-संबंधी मुद्दों के समाधान में सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए बनाया गया है।

**सारांश**

- नीदरलैंड का भारत के तीसरे सबसे बड़े निर्यात बाजार के रूप में उभरना दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है।
- निर्यात में उछाल भारत में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है, जिससे सरकार द्वारा नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को बढ़ाने के लिए संभावित प्रयास किए जा सकते हैं।
- आने वाले वर्षों में बिजनेस-टू-बिजनेस आयात में प्रत्याशित वृद्धि भारत के बढ़ते वैश्विक आर्थिक प्रभाव को दर्शाती है।

Result Mitra